राजनीतिशास्त्र: परिभाषा, प्रकृति एवं क्षेत्र, अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध तथा अध्ययन की विधियाँ

---

1. राजनीतिशास्त्र की परिभाषा (Definition of Political Science)

राजनीतिशास्त्र को सामान्यत: राजनीति के वैज्ञानिक अध्ययन के रूप में जाना जाता है। राजनीति शब्द का तात्पर्य राज्य, सरकार, सत्ता, अधिकार, दायित्व एवं उन संस्थाओं से है जो समाज में व्यवस्था, शांति और विकास को सुनिश्चित करती हैं। प्राचीन काल से ही मानव समाज किसी न किसी प्रकार की राजनीतिक व्यवस्था के अंतर्गत रहा है।

प्राचीन परिभाषाएँ

अरस्तू (Aristotle) ने कहा: “राजनीति विज्ञान सर्वोच्च विज्ञान है क्योंकि इसका उद्देश्य सर्वोच्च हित है।” उन्होंने राजनीतिशास्त्र को राज्य एवं शासन की चर्चा तक सीमित रखा।

प्लेटो ने अपनी प्रसिद्ध कृति “रिपब्लिक” में आदर्श राज्य की अवधारणा प्रस्तुत की।

कौटिल्य ने अर्थशास्त्र में राजनीति को अर्थव्यवस्था और शासन की शक्ति के रूप में देखा।

आधुनिक परिभाषाएँ

गार्नर के अनुसार: “राजनीतिशास्त्र राज्य और सरकार का वह विज्ञान है, जो शासन की संस्थाओं और प्रक्रियाओं का अध्ययन करता है।”

लासवेल ने कहा: “राजनीति इस बात का अध्ययन है कि कौन क्या, कब और कैसे प्राप्त करता है।”

डेविड ईस्टन ने राजनीति को परिभाषित करते हुए कहा: “यह समाज में मूल्यों के प्रामाणिक वितरण की प्रक्रिया है।”

समग्र परिभाषा

राजनीतिशास्त्र वह सामाजिक विज्ञान है जो राज्य, सत्ता, सरकार, नीतियों, कानूनों, नागरिक अधिकारों, कर्तव्यों तथा अंतरराष्ट्रीय संबंधों का वैज्ञानिक, तार्किक और व्यवस्थित अध्ययन करता है।

---

2. राजनीतिशास्त्र की प्रकृति एवं क्षेत्र (Nature and Scope of Political Science)

प्रकृति (Nature)

राजनीतिशास्त्र की प्रकृति को लेकर विद्वानों में मतभेद रहे हैं:

क्या यह विज्ञान है?

हाँ, क्योंकि यह तथ्यों, अवलोकन, तुलनात्मक अध्ययन और अनुसंधान पर आधारित है।

नहीं, क्योंकि इसमें प्राकृतिक विज्ञानों की तरह स्थिर एवं सार्वभौमिक नियम नहीं हैं।

क्या यह कला है?

हाँ, क्योंकि शासन चलाना, नीतियाँ बनाना और जनता को प्रभावित करना एक कला है।

निष्कर्ष:
राजनीतिशास्त्र विज्ञान और कला दोनों का मिश्रण है।

क्षेत्र (Scope)

राजनीतिशास्त्र का क्षेत्र अत्यंत व्यापक है। इसमें निम्न विषय सम्मिलित हैं:

1. **राज्य का अध्ययन** – राज्य की उत्पत्ति, उद्देश्य, तत्व एवं प्रकार।

2. **सरकार एवं प्रशासन** – शासन की संरचना (विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका)।

3. **संविधान एवं कानून** – संविधान का निर्माण, संशोधन, मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य।

4. **राजनीतिक विचारधाराएँ** – उदारवाद, समाजवाद, साम्यवाद, राष्ट्रवाद, स्त्रीवाद आदि।

5. **चुनाव एवं राजनीतिक दल** – चुनाव प्रणाली, दलगत राजनीति, जनमत एवं प्रचार माध्यम।

6. **सार्वजनिक नीति एवं प्रशासन** – नीति निर्माण की प्रक्रिया एवं उसका कार्यान्वयन।

7. अंतरराष्ट्रीय राजनीति – युद्ध, शांति, कूटनीति, संयुक्त राष्ट्र संघ, वैश्विक शासन।

---

3. राजनीतिशास्त्र का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध (Relation with Other Social Sciences)

राजनीतिशास्त्र एक स्वतंत्र शास्त्र होते हुए भी अन्य सामाजिक विज्ञानों के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ है:

1. समाजशास्त्र (Sociology)

समाजशास्त्र समाज की संरचना और संस्थाओं का अध्ययन करता है, जबकि राजनीति उसी समाज की शक्ति-संरचना है।

राजनीति का जन्म समाज से ही होता है।

2. अर्थशास्त्र (Economics)

अर्थशास्त्र संसाधनों के वितरण एवं आर्थिक नीतियों का अध्ययन करता है।

राजनीतिक निर्णयों का सीधा प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़ता है।

3. इतिहास (History)

राजनीति के विकास को समझने के लिए ऐतिहासिक पृष्ठभूमि आवश्यक है।

संविधान, कानून और राज्य का विकास इतिहास पर आधारित है।

4. दर्शनशास्त्र (Philosophy)

राजनीतिक दर्शन राजनीति को नैतिकता, न्याय और आदर्शों से जोड़ता है।

5. मनोविज्ञान (Psychology)

जनमत, नेतृत्व, मतदाता व्यवहार, प्रचार तकनीक सभी मनोवैज्ञानिक आधार पर निर्भर हैं।

6. विधिशास्त्र (Law)

कानून राज्य की इच्छा का व्यावहारिक रूप है।

राजनीतिक संस्थाओं का संचालन विधिशास्त्र पर आधारित है।

---

4. राजनीतिशास्त्र के अध्ययन की विधियाँ (Methods of Study in Political Science)

राजनीतिशास्त्र के अध्ययन के लिए विभिन्न विधियों का उपयोग किया जाता है:

1. ऐतिहासिक विधि (Historical Method)

राजनीतिक संस्थाओं और विचारधाराओं के विकास का क्रमिक अध्ययन।

2. तुलनात्मक विधि (Comparative Method)

विभिन्न देशों की राजनीतिक प्रणालियों की तुलना करके निष्कर्ष निकालना।

3. व्यवहारवादी विधि (Behavioural Method)

राजनीति के व्यवहारिक पक्ष, जनमत और मानव व्यवहार पर जोर।

4. सर्वेक्षण और सांख्यिकीय विधि (Survey & Statistical Method)

जनमत सर्वेक्षण, चुनावी आँकड़ों का विश्लेषण।

5. संस्थागत विधि (Institutional Method)

सरकार की संस्थाओं (विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका) का अध्ययन।

6. समाजशास्त्रीय एवं मानवशास्त्रीय विधि

राजनीति को सामाजिक एवं सांस्कृतिक संदर्भ में देखना।

7. प्रायोगिक एवं विश्लेषणात्मक विधि

प्रयोग, मॉडलिंग एवं आधुनिक अनुसंधान पद्धतियाँ।

निष्कर्ष

राजनीतिशास्त्र का अध्ययन केवल सत्ता और सरकार को समझने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन, समाज और अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में न्याय, समानता, स्वतंत्रता एवं विकास सुनिश्चित करने का प्रयास करता है।